राजस्व अपील क्रं. आर 1469II/2015 Regno 9053-III/16 (108)

देवीसिंह ......अपीलार्थी

विरूद्ध

मांगीलाल आदि .....रेस्पोडेंट

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा–33 एम.पी.एल.आर.सी. तथा सहपठित धारा–32

माननीय महोदय,

प्रार्थी/अपीलार्थी की और से निम्न आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत है:-

1. यह कि, प्रार्थी अपीलार्थी की एक अपील माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन होकर सुनवाई हेतु दिनांक 16/02/2016 को नियत थी उस दिन पीठासीन अधिकारी उपस्थित नहीं थे तथा फाईल भी नही मिली थी तब तत्कालीन उपस्थित रीडर द्वारा मुझे व मेरे अभिभाषक को उक्त प्रकरण को नेट पर देखने के लिये मौखिक रूप से कहा गया था लेकिन मेरे द्वारा व मेरे अभिभाषक द्वारा नेट पर भी उक्त प्रकरण को देखने पर प्रकरण की स्थिति प्रदर्शित नहीं हो रही थी इस कारण से मुझे आगामी पेशी तारीख प्राप्त नहीं हो सकी।

2. यह कि, प्रार्थी अपीलार्थी एवं उसके अभिभाषक दिनांक 16/02/16 को माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित थे तथा फाईल न मिलने के कारण तारीख पेशी नहीं ले सके थे तथा आगामी कैंप पर भी अपीलार्थी व उसके अभिभाषक उपस्थित हुए थे उस तारीख पेशी पर भी फाईल न आने के कारण एक आर्डर शीट पर रीडर द्वारा मेरे व अभिभाषक के हस्ताक्षर कराये गये थे।

3. यह कि, मुझे नेट द्वारा अपने अपील प्रकरण का स्टेटस देखने पर दिनांक 10/04/2016 को यह विदित हुआ कि मेरा प्रकरण अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया है तब मुझे प्रथम बार प्रकरण के खारिज होने का ज्ञान हुआ वैसे ही मैं अभिभाषक महोदय को यह सूचना दी।

अत: माननीय न्यायालय से निवेदन है कि प्रार्थी अपीलार्थी का आवेदन सद्भावना पर आधारित होकर क्षमा किये जाने योग्य है इसलिये प्रार्थी अपीलार्थी की उक्त अपील को पुन: रिकार्ड पर लिये जाने का अदम पैरवी में खारिज करने का आदेश निरस्त कर पुन: नियमित सुनवाई किये जाने का आदेश प्रदान करने की कृपा करें।

इति दिनांक : 13/04/2016

प्रार्थी
देवीसिंह आंजना, निवासी–ग्राम चकरावदा
तहसील घट्टिया जिला उज्जैन

द्वारा अभिभाषक
सुरेन्द्र चतुर्वेदी, एडवोकेट

Resto 9053 III/16 उज्जैन

17-8-2017	आवेदकगण की ओर से श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी अभिभाषक एवं अनावेदकगण की ओर से श्री गणेश कुमावत अभिभाषक उपस्थित। सुने गये। अनुपस्थिति का कारण समाधान-कारक होने से पुनः प्रकरण पुनर्स्थापित किया जाता है। इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से समाप्त किया जाता है। अध्यक्ष	गणेश कुमावत 22/9/01 सुरेन्द्र

[कृ. प. उ.